

भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 322

3 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ओडिशा में आयुष चिकित्सकों की उपलब्धता और रिक्त पद

322. श्री मानस रंजन मंगराज:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) ओडिशा राज्य में वर्तमान में कितने आयुष चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी और पैरामेडिकल कर्मचारी तैनात हैं;
- (ख) राज्य में मौजूदा रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
- (ग) ओडिशा में आयुष उपचार को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए भारत सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): ओडिशा राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, वर्तमान में ओडिशा राज्य में 1125 चिकित्सा अधिकारी और 923 पैरामेडिकल कर्मचारी तैनात हैं। इसके अलावा, उनके द्वारा यह भी सूचित किया गया है कि ओडिशा लोक सेवा आयोग, कटक के माध्यम से आयुष चिकित्सकों/चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं, और इसी प्रकार ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग, भुवनेश्वर के माध्यम से पैरामेडिकल कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाए गए हैं।

(ग): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, ओडिशा में आयुष उपचार को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। तथापि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम के अंतर्गत, ओडिशा सहित देश में आयुष उपचार के संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए ओडिशा सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है। ओडिशा राज्य सरकार द्वारा एनएएम के तहत, राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्तावों के अनुसार, ओडिशा में आयुष उपचार को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2014-15 से 2025-26 तक 223.34 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार निम्नलिखित प्रमुख कार्यकलाप शुरू किए गए हैं -

- आयुष शैक्षणिक संस्थानों में नए आयुष औषधालय भवन की 56 इकाइयों और बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं की 16 इकाइयों का निर्माण पूरा हो चुका है।

- राज्य में गैर-संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए 422 आयुष औषधालयों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में उन्नत किया गया है, जिससे जीवनशैली-सुधार, योग के माध्यम से औषधि-रहित उपचार और औषधीय पादपों की खेती का संवर्धन किया जाता है।
- राज्य में आयुष के प्रचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आयुर्वेद दिवस, एकीकृत आयुष स्वास्थ्य शिविर जैसे विभिन्न आईईसी गतिविधियों का आयोजन किया गया है।
- धंक्नाल और बेरहामपुर में 50 बिस्तर वाले एकीकृत आयुष अस्पताल (आईएच) का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।
- राज्य के पीएचसी/सीएचसी/डीएच में सह-संस्थापित सरकारी आयुष औषधालयों/अस्पतालों और आयुष क्लीनिकों को आवश्यक आयुष दवाएं प्रदान की गई हैं।
- राज्य में जन स्वास्थ्य आउटरीच गतिविधियां, व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, आयुष ग्राम पहले, राष्ट्रीय ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्क्युलोस्केलेटल विकार रोकथाम एवं प्रबंधन कार्यक्रम और वयो मित्र: आयुष जराचिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं कार्यान्वित की गई हैं।
- आयुष चिकित्सा अधिकारियों/आशा वर्करों के अभिविन्यास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।
- विशिष्ट आयुष उपचार प्रदान करने के लिए जिला होम्योपैथिक अस्पताल (डीएचएच) केंद्रपाड़ा में एक आयुष विंग (पंचकर्म यूनिट) स्थापित किया गया है।
- निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए जिला आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों और जिला होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारियों के लिए मोबिलिटी सहायता प्रदान की जा रही है।
- मयूरभंज जिले के मुरुगाघुतु, रायरंगपुर में नए सरकारी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए 28.00 करोड़ रुपये धनराशि की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है और इसे अधीक्षक अभियंता, रायरंगपुर को जारी कर दिया गया है। भूमि की पहचान और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और निविदा जैसे प्रारंभिक चरण पूरे कर लिए गए हैं।

मंत्रालय आयुर्वेद और अन्य चिकित्सा पद्धतियों सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार संवर्धन के लिए एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना (आईईसी) भी कार्यान्वित करता है। इसका उद्देश्य ओडिशा सहित देश भर में आबादी के सभी वर्गों तक पहुंचना है। यह योजना राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों, योग समारोह/उत्सवों, आयुर्वेद पर्वों आदि के आयोजन के लिए सहायता प्रदान करती है। मंत्रालय आयुष पद्धति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मल्टी-मीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है, आईईसी के तहत कोई विशिष्ट उपचार प्रदान नहीं किया जाता है, हालांकि ओडिशा में आयुष गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं: -

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	आयोजन	स्थान
1	2022-23	आयुर्वेद पर्व/योग उत्सव	पूरी
2	2023-24	आयुर्वेद पर्व/योग उत्सव	पूरी
3	2023-24	मेला/प्रदर्शनी- ओडिशा आयुष एक्सपो में भागीदारी	भुवनेश्वर
4	2024-25	मेला/प्रदर्शनी- प्रवासी भारतीय दिवस 2025 में भागीदारी	भुवनेश्वर

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से आयुर्ज्ञान नामक एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य बाह्य परिसर अनुसंधान गतिविधियों की व्यवस्था करके आयुष में अनुसंधान और नवाचार का और शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि प्रदान करके शिक्षा का समर्थन करना है। केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं होने के कारण, देश भर में पात्र संगठनों/संस्थाओं (ओडिशा राज्य सहित) को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और यह योजना किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को विनिर्दिष्ट नहीं है। आयुर्ज्ञान योजना के तहत, ओडिशा राज्य में स्थित संस्थानों/संगठनों को 12 परियोजनाओं/कार्यक्रमों (यानी क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा के तहत 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम; और आयुष में अनुसंधान और नवाचार के तहत 01 कार्यक्रम) का समर्थन किया गया है।

इसके अलावा, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) और केन्द्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) क्रमशः आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और सिद्ध चिकित्सा पद्धति में औषधीय अनुसंधान सहित अनुसंधान के लिए आयुष मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संगठन हैं। सीसीआरएएस, सीसीआरयूएम, सीसीआरएच और सीसीआरएस नैदानिक अनुसंधान, औषधि अनुसंधान, औषधीय पादप अनुसंधान, मौलिक अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान और प्रलेखन द्वारा संबंधित चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक सत्यापन के माध्यम से आयुष उपचार को बढ़ावा देने और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं।
